2017 – 18

2017 – 18

हिन्दी - निभाग गतिविधियां

- 8.9.2017 को एम. ए. के विद्यार्थियों को 'गबन' फिल्म कॉलेज के सेमीनार हाल में दिखायी गयी, जो विद्यार्थियों के लिए के मनोरंजक एवं प्रेरणादायी रही। प्रेमचंद के 'गबन' उपन्यास पर यह फिल्म बनी हुई है। इसमें मुख्य नायक की भूमिका सुनील दत्त ने निभायी है। गबन उपन्यास एम. ए. के पाठ्यक्रम में शामिल है।

- 8.9.2017 को ही बी. ए. द्वितीय वर्ष में प्रेमचंद की कहानी 'ईदगाह' (पाठ्यक्रम में लगी हुई है) पर बनी हुई फिल्म 'ईदगाह' दिखायी गयी

- 14 सितंबर 2017 को 'हिंदी दिवस' के उपलक्ष्य में शुद्ध शब्द लेखन, कविता पाठ प्रतियोगिता व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रथम, द्वितीय, और तृतीय स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों को प्राचार्य डॉ. ओ. पी. गर्ग द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये।

- 19.11.2017 को हिन्दी निभाग की ओर से विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। विस्तार व्याख्यान के विद्वान वक्ता डॉ. विजयदत्त शर्मा, सेवानिवृत्त एसो. प्रोफेसर, आर. के. एस. डी. कॉलेज कैथल रहे। उन्होंने 'भारतीय साहित्य' और 'भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा' पर दो विस्तार व्याख्यान दिए। दोनों ही व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए लाभकारी रहे।

- दिनांक 18.2.2018 को प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'ईदगाह' पर बनी फीचर फिल्म विद्यार्थियों को दिखायी गयी। यह कहानी बी.ए. द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम में लगी हुई है।

- 2017-18 के सत्र के आरंभ होने पर एम.ए. द्वितीय वर्ष के छात्रों ने एम.ए. प्रथम वर्ष के छात्रों के परिचय हेतु समारोह का आयोजन किया, जो काफी आनंददायक रहा। सभी ने शालीनतापूर्वक एक दूसरे का परिचय लिया और दिया।
- 2017-18 सत्र के समापन पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें अंतिम वर्ष के छात्र भूतपूर्व व वर्तमान कलाकार आदि में नये आयामों से विदा हो गये।

AU-9-9-1

गबन पर विद्यार्थियों को दिखाई गई फीचर फिल्म

कैथल। आरकेएसडी कॉलेज के विद्यार्थियों को महान उपन्यासकार एवं कहानीकार मुंशी प्रेम चंद की जीवन दर्शन से विद्यार्थियों को रूबरू करवाने के लिए उनके उपन्यास गबन पर आधारित फीचर फिल्म दिखाई गई। हिंदी विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में अपने जमाने की सुनील दत्त व साधना स्टार फिल्म गबन के साथ-साथ प्रेम चंद की कहानी ईदगाह पर भी वृत्त चित्र बच्चों को दिखाया गया। विभागाध्यक्ष एवं स्टाफ सचिव डा. आरपी मौण की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में डा. राजेंद्र बडगुर्जर और डा. आरती अग्रवाल भी मौजूद रहे। गबन फिल्म की कहानी में पत्नी द्वारा पति से गहनों की मांग करने पर पति लालच में दफ्तर में गबन करता है, जिसका हश्र मानसिक तनाव के रूप में कहानी के मुख्य किरदार को घिरा हम सब देखते है। इसी तरह ईदगाह में एक बिन मां-बाप का बच्चा हामिद की परवरिश उसकी दादी करती है। ईद के त्यौहार पर बाकी बच्चे खिलौने खरीदते है तो हामिद दादी के लिए चिमटा खरीदता है, ताकि चूल्हे पर रोटी सेकते हुए दादी के हाथ न जले। हामिद बच्चों के साथ खेलते हुए चिमटे को उनके महंगे खिलौनों से भी अधिक मूल्यवान और सुंदर बताता है। विभागाध्यक्ष आरपी मौण ने बताया कि यह कहानी मुंशी प्रेम चंद के अभाव ग्रस्त बाल्यकाल में उनके आत्मविश्वास को दर्शाती है, क्योंकि प्रेमचंद जीवन भर गरीबी से लड़ते रहे, सुखी जीवन बीताना उसे कभी नसीब ना हुआ लेकिन अपने और अपने देश की जनता के लिए सुखी और समृद्ध जीवन के सपने वह अवश्य देखते रहे।

प्रेम चंद के जीवन दर्शन से करवाया बच्चों को रू-ब-रू

मुंशी प्रेमचंद के जीवन से जुड़े वृत्तचित्र दिखाए

जासं,कैथल: आरकेएसडी कॉलेज में हिंदी विभाग की ओर से महान उपन्यासकार मुंशी प्रेम चंद के जीवन से अवगत करवाने के लिए वृत चित्र के माध्यम से उनके उपन्यास पर आधारित वृत्तचित्र विद्यार्थियों को दिखाई गई।

गबन और ईदगाह पर बने वृत्तचित्र देखे और संदेश देने वाली इन फिल्मों को देख विद्यार्थी भावुक हो गए। गबन पर आधारित वृतचित्र में एक पति अपनी पत्नी की गहनों की मांग को पूरी करने के लिए पत्नी में गबन करता है, जिसके बाद उसका हश्र मानसिक तनाव होता है। दूसरे वृत्तचित्र ईदगाह में बिना मां बाप के बच्चे हामिद की परवरिश उसकी दादी करती है। ईद के त्यौहार पर सभी बच्चे खिलौनों की खरीद करते हैं, वहीं हामिद अपनी दादी के लिए चिमटा खरीदता है। क्योंकि वह चुल्हे पर रोटी पकाते समय उसकी बूढ़ी दादी के हाथ जलते वह नहीं देख सकता। विभागाध्यक्ष आरपी मौण ने कहा कि यह कहानी मुंशी प्रेम चंद के अभाव ग्रस्त बाल्यकाल में को दर्शाती है, क्योंकि प्रेमचंद जीवन भर गरीबी से लड़ते रहे।

DJ 9-9-17

आरकेएसडी कालेज में प्रतियोगिताओं के विजेताओं के साथ प्रिंसिपल व अन्य।

आरकेएसडी कॉलेज में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित

कैथल। आरकेएसडी कालेज में हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रथम सत्र में निबंध, काव्य पाठ व भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया है। प्रिंसिपल डा. ओपी गर्ग ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। डॉ. आरती अग्रवाल ने कविता "सब मिल बोलो एक आवाज, हिन्दी भाषा में हो हर काज" के माध्यम से इस भाषा का सम्मान किया। प्रिंसिपल ने हिन्दी को देश के माथे की बिंदी बताया। डा. राजेंद्र बढ़गुर्जर ने कहा कि आज के संदर्भ में मनोरंजन, समाचार, कला, पारमार्थिक, रोडियो जैसे उद्योगों के सम्पूर्ण हिन्दीकरण से हिन्दी भाषा को प्रोत्साहन मिला है। डा. विजेंद्र ने कहा कि हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा है हमें इसका सम्मान करना चाहिए। प्रो. मधु, डा. दीपशिखा व डा. गौड़ ने अपने उद्बोधनों के माध्यम से हिन्दी से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर डा. आरपी मौण, डा. विजेंद्र, डा. आरती अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

आरकेएसडी कॉलेज में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित

कैथल। आरकेएसडी कालेज में हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रथम सत्र में निबंध, काव्य पाठ व भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया है। प्रिंसिपल डा. ओपी गर्ग ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। डा. आरती अग्रवाल ने कविता "सब मिल बोलो एक आवाज, हिन्दी भाषा में हो हर काज" के माध्यम से इस भाषा का सम्मान किया। प्रिंसिपल ने हिन्दी को देश के माथे की बिंदी बताया। डा. राजेंद्र बढ़गुर्जर ने कहा कि आज के संदर्भ में मनोरंजन, समाचार, कला, पारमार्थिक, रोडियो जैसे उद्योगों के सम्पूर्ण हिन्दीकरण से हिन्दी भाषा को प्रोत्साहन मिला है। डा. विजेंद्र ने कहा कि हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा है हमें इसका सम्मान करना चाहिए। प्रो. मधु, डा. दीपशिखा व डा. गौड़ ने अपने उद्बोधनों के माध्यम से हिन्दी से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर डा. आरपी मौण, डा. विजेंद्र, डा. आरती अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

2018 – 19

- हिन्दी विभाग द्वारा 'हिन्दी दिवस' समारोह का आयोजन किया गया

- तीन दिवसीय 'हिन्दी समारोह' के अन्तर्गत
  10. 9. 2018 को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करवाई गई
  11. 9. 2018 को शुद्ध शब्द लेखन, निबंध लेखन प्रतियोगिता करवाई
  12. 9. 2018 को कहानी लेखन, कविता व भाषण प्रतियोगिता करवाई

- 14 सितंबर, 2018 को 'हिन्दी दिवस' समारोह के अंतिम दिन मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता के रूप में श्री श्याम बंसल, कोषाध्यक्ष, प्रबंधक समिति आर. के. एस. डी. कॉलेज कैथल विराजमान थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. ओ. पी. गर्ग, कार्यवाहक प्राचार्य, ने की।

- डी. ए. वी. कॉलेज पुण्डरी, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में
- 3. 3. 2019 को हिन्दी विभाग के असोसियेट प्रोफेसर डॉ. आर. पी. मौण व राजेन्द्र बड़गूजर तथा विभाग के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने भी अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए एक नया अनुभव रहा।

- 29. 3. 2019 को हिन्दी विभाग द्वारा 'लोकविद्या सांग' पर 'हरियाणा इतिहास एवं संस्कृति अकादमी कुरुक्षेत्र, हरियाणा' द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

आरकेएसडी मे हिंदी दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता मे विजेताओ को सम्मानित करते प्राचार्य डॉ. ओपी गर्ग • जागरण

DJ-15-9-18

हिंदी भारत की सांस्कृतिक पहचान : ओपी गर्ग

कैथल : आरकेएसडी कॉलेज में हिंदी विभाग की ओर से हिंदी दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि के रुप में संस्था के कोषाध्यक्ष श्याम बंसल ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ. ओपी गर्ग ने कहा कि हिंदी भारत की सांस्कृतिक पहचापन है। कवि राजेंद्र ने संगोष्ठी संचालन करते हुए कहा कि हिंदी मे भारत की विविधताओं को मुखर वाणी मिली है। समारोह में विद्यार्थियों ने शुद्ध लेखन, निबंध लेखन, कविता, भाषण व हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं हुई। विभागाध्यक्ष डॉ. आरपी मान ने कहा कि हिंदी लगातार अपना दायरा बढ़ा रही है।

15.9.18 H.B.

स्पर्धा से विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

कैथल। डा. ओपी गर्ग अव्वल रहे विद्यार्थियों के साथ। फोटो:हरिभूमि

आरकेएसडी कॉलेज के हिन्दी-विभाग के द्वारा संगोष्ठी कक्ष में हिन्दी-दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि श्याम बंसल, कोषाध्यक्ष आर. के. एस. डी. कॉलेज, कैथल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. ओ. पी. गर्ग ने की। प्राचार्य ने एकविता के माध्यम से मुख्य अतिथि का स्वागत किया और कहा कि भाषा किसी भी देश की संस्कृति है। संगोष्ठी का संचालन कवि राजेन्द्र बड़गूजर ने करते हुए कहा कि हिन्दी भारत की सांस्कृतिक पहचान है। हिन्दी में भारत की विविधताओं को मुखर वाणी मिली है। त्रिदिवसीय हिन्दी दिवस समारोह में शुद्ध लेखन, निबंध लेखन कहानी लेखन, कविता, भाषध तथा हिन्दी प्रश्नोजरी प्रतियोगिताएं करवाई गई। हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर. पी. मॉन ने हिन्दी के व्यापक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए कहा कि हिन्दी लगातार अपनी जडें फैला रही है। हिन्दी में दूसरी भाषाओं के शब्दों को स्वीकार्यता के गुण के कारण हिन्दी विश्व की दूसरे नम्बर की भाषा बन गई है। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. बिजेन्द्र कुमार ने मुख्य अतिथि श्याम सुन्दर बंसल का इस समारोह में पहुचने पर हार्दिक धन्यवाद किया इस अवसर पर डॉ. संजय गोयल, डॉ. अनिल नरूला, डॉ. अशोक अत्री, डॉ दीप मौजूद रहे।

एमए हिंदी के विद्यार्थियों ने डीएवी कॉलेज में प्रस्तुत किए शोध-पत्र

D.B 3-3-19

भास्कर न्यूज | कैथल

आरकेएसडी कॉलेज का स्टाफ हिंदी विभाग की टीम के साथ।

आरकेएसडी कॉलेज के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. आरपी मॉन व विद्यार्थियों ने डीएवी कॉलेज पूंडरी में हुई राष्ट्रीय सेमीनार हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय एकता के विविध स्वर में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। सेमिनार में डॉ. आरपी मॉन का शोध पत्र का विषय प्रसाद के नाटकों का संक्षिप्त परिचय एवं चंद्रगुप्त नाटक में राष्ट्रीय चेतना रहा। डॉ. राजेंद्र बड़गुजर का विषय दयाचंद मायना के साहित्य में राष्ट्रीय चेतना रहा। विद्यार्थी मनजीत ने महावीर प्रसाद द्विवेदी के साहित्य में राष्ट्रीय प्रेम, रेणू ने हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना और आयुष ने भारतेंदु के साहित्य में राष्ट्रीय चेतना विषय रहा। एमए हिंदी के विद्यार्थी एकता, दीक्षा, कवलजीत, अंजू, मंजू, निर्मल ने प्रतिभागी के रूप में हिस्सा लिया। प्रस्तुति के बाद लौटी टीम के सदस्यों का प्राचार्य डॉ. एसके गोयल, डॉ. ओमप्रकाश सैनी, डॉ. बिजेंद्र कुमार ने स्वागत किया।

राष्ट्रीय सैमीनार हिन्दी साहित्य में प्रस्तुत किए शोध पत्र

कैथल, 2 मार्च (गौरव): आर.के.एस.डी. कालेज के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. आर.पी. मॉन व विद्यार्थियों ने डी.ए.वी. कालेज पूंडरी में हुई राष्ट्रीय सैमीनार हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय एकता के विविध स्वर में अपने शोध पत्र प्रस्तुत करके कालेज के सम्मान को बढ़ाया। इस सैमीनार में डा. आर.पी. मॉन के शोध पत्र का विषय प्रसाद के नाटकों का संक्षिप्त परिचय एवं चंद्रगुप्त नाटक में राष्ट्रीय चेतना रहा।

डा. राजेंद्र बड़गुर्जर का विषय दयाचंद मायना के साहित्य में राष्ट्रीय चेतना था। विद्यार्थी मनजीत का विषय महावीर प्रसाद द्विवेदी के साहित्य में राष्ट्रीय प्रेम रेणू का विषय हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना और आयुष का विषय भारतेन्दु के साहित्य में राष्ट्रीय चेतना रहा। इस सैमीनार में लगभग 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया। एम.ए. हिन्दी के विद्यार्थी एकता, दिक्षा, कवलजीत, अंजू, मंजू, निर्मल ने प्रतिभागी के रूप में भाग लिया। विभागाध्यक्ष

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागी स्टाफ सदस्यों के साथ। (स्वयं)

डा. आर.पी. मॉन के नेतृत्व में शोध पत्र पढ़कर लौटी टीम के सदस्यों का प्राचार्य डा. एस.के. गोयल, डा. राजेंद्र बड़गुर्जर, डा. ओम प्रकाश सैनी, डा. बिजेंद्र कुमार ने स्वागत किया और प्रबंधक समिति के प्रधान साकेत मंगल अधिवक्ता ने हिन्दी विभाग की टीम को बधाई दी। P.K. 3-3-19

लोक विधा • आरकेएसडी कॉलेज में सांग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्ताओं ने रखे विचार

सांग हरियाणवी संस्कृति का आइना इसे बचाने की जरूरत : पूर्णचंद शर्मा

29-3-19

कैथल। कैथल

आरकेएसडी कॉलेज के हिंदी विभाग के द्वारा लोक विधा सांग पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 60 डेलिगेट्स ने भाग लिया। मुख्यातिथि डॉ. पूर्णमल गौड़ निदेशक हरियाणा साहित्य अकादमी व अध्यक्षता प्रो. लालचंद मगन गुप्त पूर्व अध्यक्ष हिंदी विभाग केयू ने की। मुख्य वक्ता एवं केंद्र रहे।

मंच संचालन डॉ. दीप शिखा ने किया। सेमिनार के आरंभ में पूर्व अतिथियों का स्वागत प्राचार्य धर्मेंद्र एवं आर डी ने के प्रधान मोहित मंगल, [illegible] सचिव पंकज [illegible], कोषाध्यक्ष सुनील चौधरी, [illegible] के कोषाध्यक्ष [illegible] और सायंकालीन [illegible] के प्रधान मनीत गोयल [illegible] संजय गोयल ने [illegible] डॉ. आरपी

लोक विधा सांग पर सेमिनार में हिस्सा लेते प्रोफेसर्स व स्टूडेंट्स।

मान ने सेमिनार विषय का परिचय करवाया। उन्होंने अपने भाषण में इस बात पर जोर दिया की सभी लोक विधाओं में सांग की विधा संपूर्णता लिए है। मुख्य वक्ता के रूप में पूर्ण चंद शर्मा ने हरियाणवी संस्कृति में सांग की बेजोड़ भूमिका को स्पष्ट किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया की सांग विधा में मंचन, पात्र और अन्य विधियों को सहजता से निभाया जा सकता है। सांग हरियाणवी संस्कृति का आइना है। इसे बचाने की जरूरत है, क्योंकि यह दर्शन पर आधारित है। इसमें लोक जीवन और उसके आदर्श तथा उसकी कुरीतियों पर चोट की जाती थी। रिसोर्स पर्सन के रूप में रतन कुमार संभरिया ने सांग को परिभाषित किया और इसकी विभिन्न परंपराओं को स्पष्ट किया, जिन्हें सांग में निभाया जाता है। डॉ. पूर्णमल गौड़ ने शोध छात्रों से सुझाव मांगे कि इस लोक विधा सांग को जीवित रखने के लिए क्या किया जाना चाहिए। साथ में हरियाणवी संस्कृति के विकास में आज का युवा और शोध छात्र कितनी भूमिका निभा सकता है।

सांग एक संपूर्ण विधा : प्रो. लालचंद

प्रो. लालचंद मगन गुप्त, पूर्व अध्यक्ष हिन्दी विभाग केयू ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए इस बात पर जोर दिया की सेमिनार का महत्व तभी है, जब शोध पत्रों को किताब के रूप में प्रकाशित किया जाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सांग संपूर्ण विधा है, जिसमें लोकगीत, नृत्य, संगीत, अभिनय जैसी सभी कलाएं मौजूद है। डॉ. पीसी मित्तल ने अंतिम सत्र में अध्यक्षता की। डॉ. पुष्पा विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग केयू ने समापन भाषण दिया। डॉ. राजेंद्र बडगूजर इस सेमिनार के संयोजक, डॉ. ओपी सैनी सह-संयोजक, डॉ. बिजेंद्र कुमार आयोजक सचिव रहे। कार्यक्रम में अन्य स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहे।

2019-20

- 'हिन्दी दिवस' को हिन्दी विभाग द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।
  - इस कार्यक्रम से पहले हिन्दी पखवाड़े के अन्तर्गत कई प्रतियोगिताएं करवाई गई —
    9.9.2019 को भाषण एवं कविता पाठ प्रतियोगिता।
    10.9.2019 को निबंध लेखन प्रतियोगिता।
    12.9.2019 को शुद्ध शब्द लेखन प्रतियोगिता।
    13.9.2019 कहानी लेखन प्रतियोगिता।

- 14 सितंबर, 2019 'हिन्दी दिवस' ~~को दिन~~ के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. के.सी. राणा, पूर्व रजिस्ट्रार, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र रहे। 'हिन्दी की दशा और दिशा' विषय पर उन्होंने अपने महत्वपूर्ण विचार रखे। कार्यक्रम के अन्त में प्रतियोगिताओं में विजेता प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर आने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किये।

- 5.2.2020 को हिन्दी विभाग द्वारा 'हिन्दी में रोजगार की दृष्टि से मीडिया की भूमिका' विषय को लेकर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. कामराज सिंधु, अध्यक्ष हिन्दी विभाग, दूरवर्ती निदेशालय के.यू.के. ने शिरकत की।

- एम.ए. हिन्दी के विद्यार्थियों (तृतीय सत्र) ने के.यू.के. की परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करते हुए वि.वि. में प्रथम (दिक्षा) द्वितीय (~~रिंकु~~) (श्रवणा), तीसरा (रिंकु) प्राप्त किया। कॉलेज प्राचार्य, एवं प्रबंधक समिति द्वारा इन विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

आरकेएसडी कालेज के हिंदी विभाग ने मनाया हिंदी दिवस

DS-15-9-19

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र-छात्राएं कालेज स्टाफ के साथ।

कैथल (हरित) : आरकेएसडी कालेज के हिंदी विभाग में हिंदी दिवस को हर्षोल्लास व उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम से पहले हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत हिंदी भाषा से संबंधित कई प्रतियोतिाए करवाई गई जिसमें भाषण, कविता पाठ, निबंध लेखन आदि प्रतियोगिताएं शामिल थीं। कार्यक्रम के मुख्यातिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व रजिस्ट्रार डा. के.सी. रल्हन ने हिंदी की दशा और दिशा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज विश्व के 203 देशों में से 180 देशों में हिंदी भाषा का पठन पाठन सुचारू रूप से हो रहा है। इस अवसर पर उन्होंने विजेताओं को पुरस्कृत भी किया। विभागाध्यक्ष डा. आर.पी. मान ने मुख्यातिथि को सम्मानित किया। कालेज के प्राचार्य डा. संजय गोयल ने मुख्यातिथि का कार्यक्रम में पहुंचने पर आभार जताया। कार्यक्रम में मंच का संचालन डा. बिजेंद्र कुमार ने किया।

मीडिया की भूमिका विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत

कैथल (महीपाल) : आर.के.एस.डी. कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी में रोजगार की दृष्टि से मीडिया की भूमिका विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। मुख्य वक्ता के रूप में डा. कामराज सिंधु, अध्यक्ष हिंदी विभाग, दूरवर्ती शिक्षा निदेशालय, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र थे। विभागाध्यक्ष डा. आर.पी. मौन ने सर्वप्रथम मुख्य वक्ता का परिचय छात्रों को करवाया।

उसके बाद प्राचार्य डा. संजय गोयल ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया और इस बात को महत्व दिया कि मीडिया और पत्रकारिता का सही ढंग से अध्ययन किया जाए तो रोजगार की दृष्टि से यह बहुत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। उन्होंने छात्रों के ज्ञानवर्धन में व्याख्यान के महत्व को भी रेखांकित किया एवं समय-समय पर समकालीन विषयों पर व्याख्यान को करवाने की हिमायत की। डा. सिंधु ने छात्रों को रोजगार की दृष्टि से हिंदी के महत्व और विशेष रूप से मीडिया की भूमिका के ऊपर अपने विचार विस्तार से रखें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान समय डिजीटल दुनिया का है, अत: हिंदी के छात्रों को इसकी तकनीकों से भी रू-ब-रू होना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में डा. ओ.पी. सैनी ने धन्यवाद प्रस्ताव पढ़ा। डा. विजेंद्र कुमार ने मंच का संचालन किया। इस मौके पर डा. शरद गौड़, डा. दीप शिखा, डा. वर्षा, प्रो. सुनीता और प्रो. संजीव कुमार भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में आए हुए मेहमानों को सम्मानित करते प्राचार्य डॉ. एस.के. गोयल। (रमेश)

P.K-6-2-20

डिजिटल दुनिया में हिंदी के छात्रों को इसकी तकनीकों से रूबरू होना चाहिए: डॉ. सिंधु

आरकेएसडी कॉलेज में मीडिया की भूमिका विषय पर हुआ कार्यक्रम

भास्कर न्यूज | कैथल

कैथल | आरकेएसडी कॉलेज के हिंदी विभाग के द्वारा मीडिया की भूमिका विषय पर व्याख्यान में हिस्सा लेते छात्र-छात्राएं।

स्थानीय आरकेएसडी कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा 'हिंदी में रोजगार की दृष्टि से मीडिया की भूमिका' विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. कामराज सिंधु, अध्यक्ष हिंदी विभाग दूरवर्ती शिक्षा निदेशालय कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय रहे।। विभागाध्यक्ष डॉ. आरपी मौन ने सर्वप्रथम मुख्य वक्ता का परिचय छात्रों को करवाया।

उसके बाद प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया और इस बात को महत्व दिया कि मीडिया और पत्रकारिता का सही ढंग से अध्ययन किया जाए तो रोजगार की दृष्टि से यह बहुत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। डॉ. सिंधु ने छात्रों को रोजगार की दृष्टि से हिंदी के महत्व और विशेष रूप से मीडिया की भूमिका के ऊपर अपने विचार विस्तार से रखें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान समय डिजिटल दुनिया का है। अतः हिंदी के छात्रों को इसकी तकनीकों से भी रूबरू होना चाहिए। इसके अलावा सोशल मीडिया, विज्ञापन और तकनीकी क्षेत्र में भी हिंदी का महत्व बढ़ रहा है। छात्रों को परंपरागत शिक्षा के अलावा नए उभरते क्षेत्रों में भी अपनी भूमिका तलाशनी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में डॉ ओपी सैनी ने धन्यवाद प्रस्ताव पढ़ा। डॉ. विजेंद्र कुमार ने मंच का संचालन किया। मौके पर डॉ. शरद गौड़, डॉ दीपशिखा, डॉ. वर्षा, प्रो. सुनीता और प्रो. संजीव कुमार भी उपस्थित रहे।

DB 6-2-20

छात्रों की मेहनत गर्व की बात : संजय

छात्राओं के साथ कॉलेज प्राचार्य डॉ. संजय (मध्य में) • कॉलेज पीआरओ

जागरण संवाददाता, कैथल : आरकेएसडी कॉलेज के एमए हिंदी तीसरे सत्र के विद्यार्थियों ने कुरुक्षेत्र विवि की परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने विवि में पहला, दूसरा और तीसरा और पांचवां स्थान प्राप्त किया है। विभागाध्यक्ष डॉ. आरपी मान ने बताया कि दीक्षा ने 500 में से 376 अंक प्राप्त कर पहला, कृष्णा ने 359 अंकों के साथ दूसरा और रिंकू ने 358 अंकों के साथ तीसरा स्थान स्थान प्राप्त किया। प्रो. डॉ. ओपी सैनी, डॉ. बिजेंद्र ने सभी को शुभकामनाएं दी। प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने कहा कि यह हम सब के लिए गर्व की बात है।

DJ 4-3-20

विद्यार्थियों ने परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर माता-पिता व कालेज का नाम किया रोशन

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के साथ प्राचार्य संजय गोयल व स्टाफ

PK. 4-3-20

कैथल, 3 मार्च (महीपाल)। आर के एस डी स्नातकोत्तर महाविद्यालय कैथल के हिंदी विभाग के एम ए हिंदी भाषा व के विद्यार्थियों ने दिसंबर 2019 में आयोजित कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र की परीक्षाओं में पहला, दूसरा, तीसरा एवं पांचवां स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ आर पी मीत ने बताया कि अमन दीक्षा ने 500 में से 376 अंक प्राप्त कर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में पहला स्थान, कृष्णा ने 359 अंकों के साथ दूसरा स्थान, पिंकू ने 356 अंकों के साथ तीसरा स्थान तथा एकता पंचाल ने 355 अंकों के साथ पांचवां स्थान प्राप्त किया। हिंदी साहित्य परिषद के सचिव [illegible] विजेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को [illegible] पर आगे उच्चतर [illegible] की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हमारे विद्यार्थी केवल [illegible] की दृष्टि से ही [illegible] प्रतियोगिता परीक्षाओं में भी श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। [illegible] में हमारे 3 छात्रों ने [illegible] की नेट की परीक्षा पास की है जिनमें कैथल, करनाल तथा सिरसा शामिल हैं। इनके साथ ही विभाग के पूर्व छात्र [illegible] ने भी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है। हमारे पूर्व छात्र मुकेश चंद ने हरियाणा सिविल सेवा परीक्षा में हिंदी विषय को लेकर उपमंडल न्यायाधीश के रूप में उपलब्धि सीख हमारे लिए गर्व की बात है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय गोयल ने विद्यार्थियों एवं हिंदी विभाग के प्राध्यापकों को कहा कि यह हम सब के लिए गर्व की बात है कि हमारे विद्यार्थी निरंतर मेहनत एवं लगन के द्वारा न केवल अपने लिए सम्मान प्राप्त कर रहे हैं बल्कि संस्था का नाम भी रोशन कर रहे हैं। प्रबंधक समिति के प्रधान साकेत मोहल अधिवक्ता ने इन प्रतिभाशाली छात्रों को आशीर्वाद दिया तथा हिंदी विभाग के प्राध्यापकों एवं प्राचार्य की भी सराहना की।

कैथल | पहला, दूसरा, तीसरा एवं पांचवां स्थान प्राप्त करने वाले स्टूडेंट्स स्टाफ के साथ।

विश्वविद्यालय स्तर

2021 – 22

- 14 सितंबर, 2021 को हिन्दी विभाग द्वारा 'हिन्दी-दिवस' के अवसर पर 'विस्तार व्याख्यान' का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ विकास आनंद, के.टी. राजकीय कॉलेज, रतिया रहे।

16.10.2021 को जारी परीक्षा परिणाम

- प्रथम सत्र के परिणाम में ममता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया (461/500)
- द्वितीय स्थान टीकु ने प्राप्त किया (458/500)
- कॉलेज द्वारा ममता को (3100 रुपये) और टीकु को (2100 रुपये) पुरस्कार रूप में दिए

2.11.2021 को जारी परिणाम में निम्न उपलब्धियां रही-

टेंकु, चतुर्थ सत्र, विश्वविद्यालय स्तर पर 5वां स्थान (1652/2000)
हरप्रीत, द्वितीय सत्र, " " " प्रथम स्थान (475/500)
ममता, " ", " " " तृतीय स्थान (462/500)
टीकु " " " " नौवां स्थान (444/500)

10.1.2022 को विश्व हिंदी दिवस के अवसर 'विस्तार व्याख्यान' का आयोजन मुख्य वक्ता डॉ विजयदत्त शर्मा, सेवानिवृत, आर.के.एस.डी. कॉलेज, कैथल

10.5.2022 को विस्तार व्याख्यान, मुख्य वक्ता- डॉ. शांती देवी, पूर्व प्राचार्य, राजकीय कॉलेज, जुंडला।

26.5.2022 शैक्षणिक भ्रमण, देहरादून, हरिद्वार ले जाया गया।

11.6.2022 को शैक्षणिक भ्रमण के चित्रों की प्रदर्शनी लगायी गयी

16.6.2022 को विस्तार व्याख्यान, मुख्य वक्ता – डॉ कुलदीप सिंह, पंजाबी विभाग कैथल

5.8.2021 को डॉ बीजेन्द्र, हिंदी विभाग, कबीर जयंती पर अपने विचार रखे।

10.9.2021 डॉ. आर.पी. मोगा (हिंदी विभाग) साध्य पाठ, निबंध लेखन पर विचार-विमर्श

11.9.2021 डॉ ओ.पी. सैनी ने भाषण, शुद्ध-अशुद्ध लेखन पर विचार रखे।

22.11.2021 अनुवाद और पत्रकारिता में रोजगार की संभावनाएं – एक विश्लेषण, डॉ. [illegible]

16.12.2021 कबीरदास की 'सामाजिक समरसता' पर डॉ. बीजेन्द्र का संभाषण

18.1.2022 डॉ. ओ.पी. सैनी द्वारा 'जीवन एवं आनंदवाद के कवि प्रसाद' विषय पर विचार रखे

26.3.2022 डॉ. शादू गौड़, महादेवी वर्मा जी का व्यक्तित्व, पर चर्चा परिचर्चा

20.4.2022 डॉ. बीजेन्द्र, महानी निबंध, कविता लेखन पर विचार-विमर्श

24.5.2022 डॉ. आर.पी. मोगा, हिंदी गद्यसाहित्य में संस्मरण एवं रेखाचित्र, व्याख्यान

27.5.2022 डॉ. ओ.पी. सैनी, यू.जी.सी. नेट की परीक्षा में भाषाशास्त्र संबंधित प्रश्नों पर विचार-विमर्श

हिंदी को प्रचारित व प्रसारित करने में युवा पीढ़ी को देना होगा योगदान : डॉ. गोयल

आरकेएसडी कॉलेज में हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस पर विस्तार व्याख्यान

DB
भास्कर न्यूज | कैथल 15-9-21

आरकेएसडी कॉलेज में हिंदी विभाग के द्वारा हिंदी दिवस पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विकास आनंद, पूर्व प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय, रतिया के रूप में पहुंचे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया एवं अपने संभाषण में हिंदी दिवस की बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों को आग्रह किया कि हिंदी को प्रचारित, प्रसारित करने में युवा पीढ़ी को योगदान देना होगा। व्यापार जगत, सिनेमा, खेल जगत एवं सोशल मीडिया में हिंदी की धूम मची है। इसे बनाए रखने की आवश्यकता है। विभागाध्यक्ष डॉ. आरपी मौन ने मुख्य वक्ता का औपचारिक परिचय पत्र पढ़ा। मुख्य वक्ता विकास आनंद इस बात पर खुशी जताई कि वे पुरातन छात्र रहे हैं तथा मुख्य वक्ता के रूप में आना उनके लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने बताया कि हिंदी भाषा अभिव्यक्ति का सशक्त साधन तो है ही, वहीं रोजगार के क्षेत्र में भी अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होने हिंदी भाषा में अन्य भाषाओं की शब्दावली को शामिल करने पर जोर दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न कविता एवं कहानियां भी प्रस्तुत की। धन्यवाद प्रस्ताव एवं मंच संचालन डॉ. विजेंद्र कुमार ने किया। उन्होंने हिंदी के प्रचार में सोशल मीडिया के महत्व को भी इंगित किया। इस अवसर पर डॉ. शरद गौड़, डॉ. दीपशिखा, डॉ. वर्षा, डॉ. राजीव शर्मा, प्रो. संजीव एवं प्रो. सुनीता भी उपस्थित रहे।

कैथल। आरकेएसडी कॉलेज में हिंदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते वक्ता।

एमए प्रथम वर्ष में कुवि में ममता रही अव्वल

कुवि में एमए हिंदी के परीक्षा परिणाम के उत्कृष्ट परिणाम लाने वाली छात्राओं को सम्मानित करते कालेज के प्राचार्य डा. संजय गोयल व अन्य स्टाफ सदस्य। • कालेज पीआरओ

DS 16-10-21

कैथल : आरकेएसडी (पीजी) कालेज की एमए हिंदी की छात्रा ममता ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र द्वारा जारी परिणामों में विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम सेमेस्टर के जारी परिणामों में उसने 500 में से कुल 461 अंक प्राप्त किए। इसके अलावा छात्रा टिंकू ने इस सेमेस्टर में 500 में से 458 अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। आरकेएस एवं प्रबंधक समिति के प्रधान साकेत मंगल एडवोकेट ने इस उपलब्धि के लिए बधाई संदेश भेजा और ममता को 3100 एवं टिंकू को 2100 रुपये सम्मान राशि देने की घोषणा की। कालेज पहुंचने पर प्राचार्य डा. संजय गोयल, विभागाध्यक्ष डा. आरपी मौन, वरिष्ठ प्राध्यापक डा. ओमप्रकाश सैनी एवं डा. विजेंद्र कुमार ने छात्राओं का स्वागत किया। इस अवसर पर डा. शरद गौड़ और प्रो. संजीव भी उपस्थित रहे। (वि)

कालेज प्रबंधक समिति के प्रधान ने उपलब्धि के लिए ममता को 3100 और टीकू को 2100 रुपये सम्मान राशि देने की घोषणा की

एमए हिंदी में ममता ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में हासिल किया प्रथम

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा ममता को बधाई देते हुए स्टाफ।

एम.ए. हिंदी की छात्रा हरप्रीत ने द्वितीय सैमेस्टर में पाया प्रथम स्थान

DS 2-11-21

छात्राओं को सम्मानित करते हुए प्राचार्य व अन्य। (सतीश भराड़ा)

कैथल, (प्रदीप हरित) : आर.के.एस.डी. कालेज में एम.ए. हिंदी की छात्राओं ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा जारी परिणामों में विश्वविद्यालय की मैरिट लिस्ट में प्रभावशाली उपिस्थति दर्ज करवाई है। इंदु ने चतुर्थ सैमेस्टर के रिजल्ट पश्चात ओवर आल 1652/2000 अंक प्राप्त करके विश्वविद्यालय में पांचवां स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा द्वितीय सेमेस्टर के जारी परिणामों में हरप्रीत ने 475/500 अंकों के साथ प्रथम, ममता ने 462/500 अंकों के साथ तृतीय एवं टींकू ने 444/500 अंकों के साथ नौंवा स्थान प्राप्त किया। आर.वी.एस. एवं प्रबंधक समिति के प्रधान साकेत मंगल एडवोकेट ने इस उपलिब्ध के लिए बधाई संदेश भेजा एवं हरप्रीत को 3100 एवं 2100 रुपए प्रत्येक छात्रा को सम्मान राशि देने की घोषणा की। कालेज पहुंचने पर प्राचार्य डा. संजय गोयल, विभागाध्यक्ष डा. आर.पी. मौन, वरिष्ठ प्राध्यापक डा. ओमप्रकाश सैनी एवं डा. विजेंद्र कुमार ने उक्त छात्राओं का स्वागत किया। इस अवसर पर डा. शरद गौड़ एवं प्रो. संजीव भी उपस्थित रहे।

कॉलेज में विश्व हिंदी दिवस मनाया

- आरकेएसडी कॉलेज के प्राचार्य ने किया संबोधित

HG 11-1-22

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

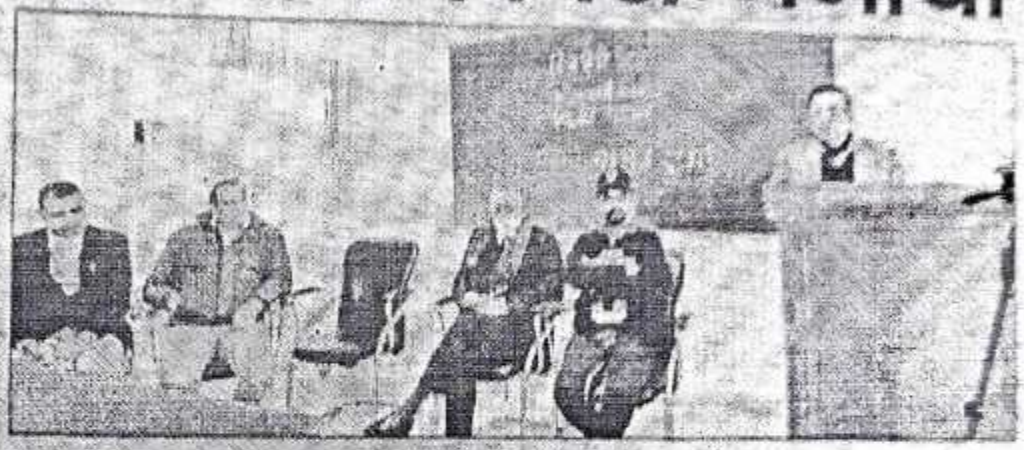

कैथल। हिंदी मे व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रवक्ता। फोटो : हरिभूमि

आरकेएसडी कॉलेज कैथल में 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग द्वारा स्नातकोत्तर हिंदी के विद्यार्थियों के लिए एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन करवाया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के ही सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ विजय दत्त शर्मा ने शिरकत की।

मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ एसके गोयल ने विश्व में हिंदी की स्थिति के साथ-साथ हिंदी स्वाभिमान के अनेक पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न उद्धरण देकर अपने विचार को स्थापित किया। विशेष रूप से 1893 में शिकागो में विश्व धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानंद के एतिहासिक भाषण एवं यू एन ओ में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई के संबोधन का जिक्र किया। डा. विजय दत शर्मा ने विश्व भर में हिंदी के प्रचार एवं प्रसार पर प्रकाश डाला। हिंदी विश्व बाजार की भाषा भी बनती जा रही है, अतः विश्व हिंदी का मनाना इसके गौरव को बढ़ाना है। डॉ शर्मा ने हिंदी दिवस के मनानेके पीछे लक्ष्मी मल सिंघवी के योगदान को याद किया। विभाग अध्यक्ष डॉक्टर आर.पी मौन ने व्याख्यान में उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद किया वही डॉ विजेंद्र ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर डा ओपी सैनी, प्रो. संजीव एवं प्रो कैलाश भी उपस्थित रहे।

हिंदी भाषा में रोजगार की अनेक संभावनाएं : डा. ज्ञानी देवी

आरकेएसडी पीजी कालेज के हिंदी विभाग की तरफ से आयोजित विस्तार व्याख्यान में मुख्य वक्ता पूर्व प्राचार्या डा. ज्ञानी देवी का स्वागत करते प्राचार्य डा. संजय गोयल व अन्य। ● कालेज पीआरओ DJ 10-5-22.

कैथल : आरकेएसडी पीजी कालेज के हिंदी विभाग की तरफ से हिंदी भाषा एवं साहित्य में रोजगार की संभावना विषय पर विस्तार व्याख्यान आयोजित किया। इस कार्यक्रम में करनाल के जूंडला के राजकीय कालेज की पूर्व प्राचार्या डा. ज्ञानी देवी मुख्य वक्ता रही। कार्यक्रम में पहुंचने पर प्राचार्य डा. संजय गोयल, डा. आरपी मौण और डा. बिजेंद्र कुमार ने बुक्के देकर मुख्य वक्ता का स्वागत किया। हिंदी भाषा और साहित्य में रोजगार की संभावना विषय पर बोलते हुए डा. ज्ञानी देवी ने बताया कि हिंदी भाषा और साहित्य में रोजगार की अनेक संभावनाएं हैं। वर्तमान समय में हिंदी का क्षेत्र विस्तृत हो चुका है। (जास)

हिंदी भाषा और साहित्य में रोजगार की संभावनाएं

डॉ. ज्ञानी देवी व अन्य को सम्मानित करते हुए।

AU 10-5-22

कैथल। आरकेएसडी पीजी कॉलेज कैथल के हिंदी विभाग की ओर से हिंदी भाषा एवं साहित्य में रोजगार की संभावना विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इसमें मुख्य वक्ता के रूप में राजकीय कन्या महाविद्यालय जुंडला की पूर्व प्राचार्या डॉ. ज्ञानी देवी ने शिरकत की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार गोयल, डॉ. आरपी मोण और डॉ. बिजेंद्र कुमार ने उनका स्वागत किया। डॉ. संजय गोयल ने बताया कि डॉ. ज्ञानी देवी कॉलेज की पुरातन छात्रा एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार भी हैं। डॉ. ज्ञानी देवी ने बताया कि आज हिंदी भाषा और साहित्य में रोजगार की अनेक संभावनाएं हैं।

उन्होंने बताया कि आज मीडिया, विज्ञापन, सिनेमा, पर्यटन, अनुवाद, शिक्षा व फिल्म जगत क्षेत्रों में हिंदी भाषा में दक्षता हासिल कर रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर डॉ. गोपी सैनी, डॉ. शरद गौड़, वर्षा, सुनीता, संजीव व कैलाश मौजूद थे।

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान खींचे गए चित्रों की लगाई प्रदर्शनी

आरकेएसडी कालेज में लगाई गई फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन करते प्राचार्य डा. संजय गोयल व अन्य प्राध्यापक। ● सौजन्य कालेज प्रवक्ता

DJ 11-6-22

जागरण संवाददाता, कैथल: आरकेएसडी पीजी कालेज के हिंदी विभाग की ओर से फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ प्राचार्य डा. संजय गोयल ने किया।

उनके साथ विभागाध्यक्ष डा. आरपी मौन, डा. ओपी सैनी, डा. विजेंद्र कुमार, डा. शरद गौड़, डा. दीपशिखा, प्रो. सुनीता, डा. वर्षा, प्रो. संजीव एवं प्रो. कैलाश भी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने हरिद्वार एवं देहरादून के शैक्षणिक भ्रमण के दौरान लिए गए फोटो को लेकर यह प्रदर्शनी लगाई गई। विद्यार्थियों ने हरिद्वार में हर की पौड़ी, देहरादून में श्री टपकेश्वर मंदिर, वन शोध संस्थान, सहस्त्र धारा एवं रोबर गुफाओं को इन चित्रों में प्रदर्शित किया।

प्राचार्य डा. संजय गोयल ने हिंदी विभाग के इस शैक्षणिक पहल की सराहना की एवं एवं अध्ययन रूचि को बढ़ाने वाला कदम कहा।

HB 11-8-23

विद्यार्थियों ने कालेज में लगाई फोटो प्रदर्शनी

कैथल। आरकेएसडी पीजी कॉलेज के हिंदी विभाग के द्वारा फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ प्राचार्य डा. संजय गोयल ने किया। उनके साथ विभागाध्यक्ष डा.आरपी मौन, डा. ओपी सैनी, डा. विजेंद्र कुमार, डा. शरद गौड़, डा. दीपशिखा, प्रो. सुनीता, डा. वर्षा, प्रो. संजीव एवं प्रो. कैलास भी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने हरिद्वार एवं देहरादुन के शैक्षणिक भ्रमण के दौरान लिए गए फोटो को लेकर यह प्रदर्शनी लगाई गई। विद्यार्थियों ने हरिद्वार में हर की पौडी, देहरादून में श्री टपकेश्वर मंदिर, वन शोध संस्थान, सहस्त्र धारा एवं रोबर गुफाओं को इन चित्रों में प्रदर्शित किया। प्राचार्य डा संजय गोयल ने शैक्षणिक भ्रमण की सराहना कर इसे अध्ययन रूचि बढ़ाने वाली बताया।

संत कबीर दास पर व्याख्यान

- सामाजिक समरसता के महान संत कबीर दास रखा शीर्षक

HB 16-6-22

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

कैथल। डा. कुलदीप सिंह व्याख्यान को संबोधित करते हुए।

आरकेएसडी पीजी कॉलेज में कबीर जयंती के अवसर पर हिंदी विभाग के द्वारा 'सामाजिक समरसता के महान संत कबीर दास' शीर्षक के अंतर्गत एक सारगर्भित व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में डा. कुलदीप सिंह, पंजाबी विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन से हुआ। प्रबंध समिति के प्रधान साकेत मंगल एडवोकेट ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया एवं अपने अभिभाषण में कबीर दास को महान संत की संज्ञा दी एवं तेज बदलावों के इस दौर में उनके विचारों को अति महत्वपूर्ण बताया। प्राचार्य डा. संजय गोयल ने मुख्य वक्ता वक्ता डॉ कुलदीप सिंह का परिचय दिया एवं उनके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को उजागर करते हुए उनका स्वागत किया। डॉ कुलदीप सिंह ने भारतीय ज्ञान परंपरा के संदर्भ में संतो के साहित्य की उपयोगिता पर बल दिया। उन्होंने गुरु ग्रंथ साहब में संकलित कबीर के दोहे तथा साखियो को वर्तमान जीवन के लिए उपयोगी तथा प्रासंगिक बतलाया। अंत में उन्होंने सामाजिक समरसता के परिपेक्ष में कबीर को सबसे बड़ा जननायक बताते हुए उन्हें सनातन संस्कृति एवं निर्गुण काव्यधारा से जोडा।

PK-16-6-22

कबीर जयंती के अवसर पर हिंदी विभाग के द्वारा सामाजिक समरसता के महान संत कबीर दास शीर्षक के अंतर्गत एक सारगर्भित व्याख्यान आयोजित

कैथल, 15 जून (महीपाल गौरव): आर के एस डी पी जी कालेज में कबीर जयंती के अवसर पर हिंदी विभाग के द्वारा सामाजिक समरसता के महान संत कबीर दास शीर्षक के अंतर्गत एक सारगर्भित व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में डा. कुलदीप सिंह, पंजाबी विभाग, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय ने अपने विचार रखे।

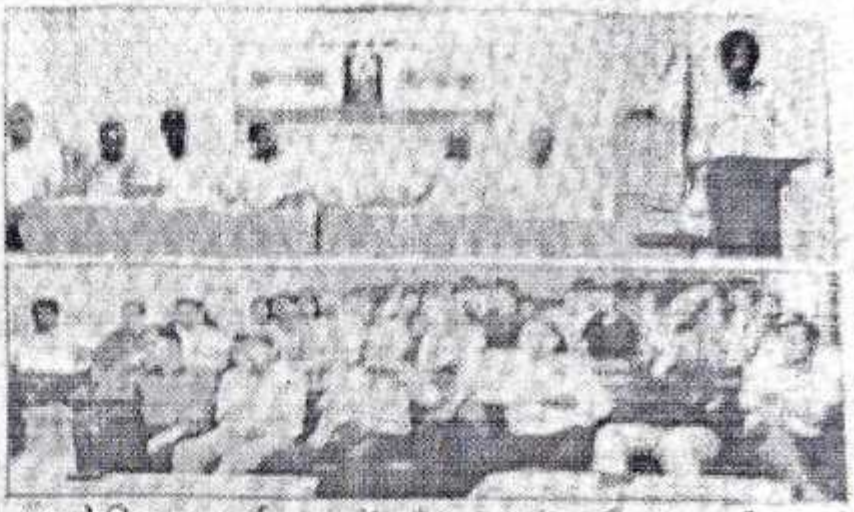

आयोजित कार्यक्रम में मौजूद मंचासीन पदाधिकारी तथा उपस्थिति।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन से हुआ। प्रबंध समिति के प्रधान साकेत मंगल एडवोकेट ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया एवं अपने अभिभाषण में कबीर दास को महान संत की संज्ञा दी एवं तेज बदलावों के इस दौर में उनके विचारों को अति महत्वपूर्ण बताया।। कालेज प्राचार्य डा. संजय गोयल ने मुख्य वक्ता वक्ता डा. कुलदीप सिंह का परिचय दिया एवं उनके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को उजागर करते हुए उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर बोलते हुए डा. कुलदीप सिंह ने भारतीय ज्ञान परंपरा के संदर्भ में संतो के साहित्य की उपयोगिता पर बल दिया। यही नहीं उन्होंने गुरु ग्रंथ साहब में संकलित कबीर के दोहे तथा साखियो को वर्तमान जीवन के लिए उपयोगी तथा प्रासंगिक बतलाया।

अंत में उन्होंने सामाजिक समरसता के परिपेक्ष में कबीर को सबसे बड़ा जननायक बताते हुए उन्हें सनातन संस्कृति एवं निर्गुण काव्यधारा से भी जोड़ा। व्याख्यान की समाप्ति के बीच भाषण तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर रहने वाले छात्र छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया। डा. बिजेंद्र कुमार ने कार्यक्रम का मंच संचालन बड़े ही सुंदर ढंग से किया।

विभाग अध्यक्ष डा. रामफल मौन ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर आर.एस.एस. के प्रचारक एवं प्रबंधन समिति के प्रचारक श्याम बंसल, डा. हरेंद्र सिंगला, डा. ओ.पी. सैनी, डा. अशोक शर्मा के साथ हिंदी विभाग के सभी सदस्यगण उपस्थित रहे।

5.6.2021

10.9.2021

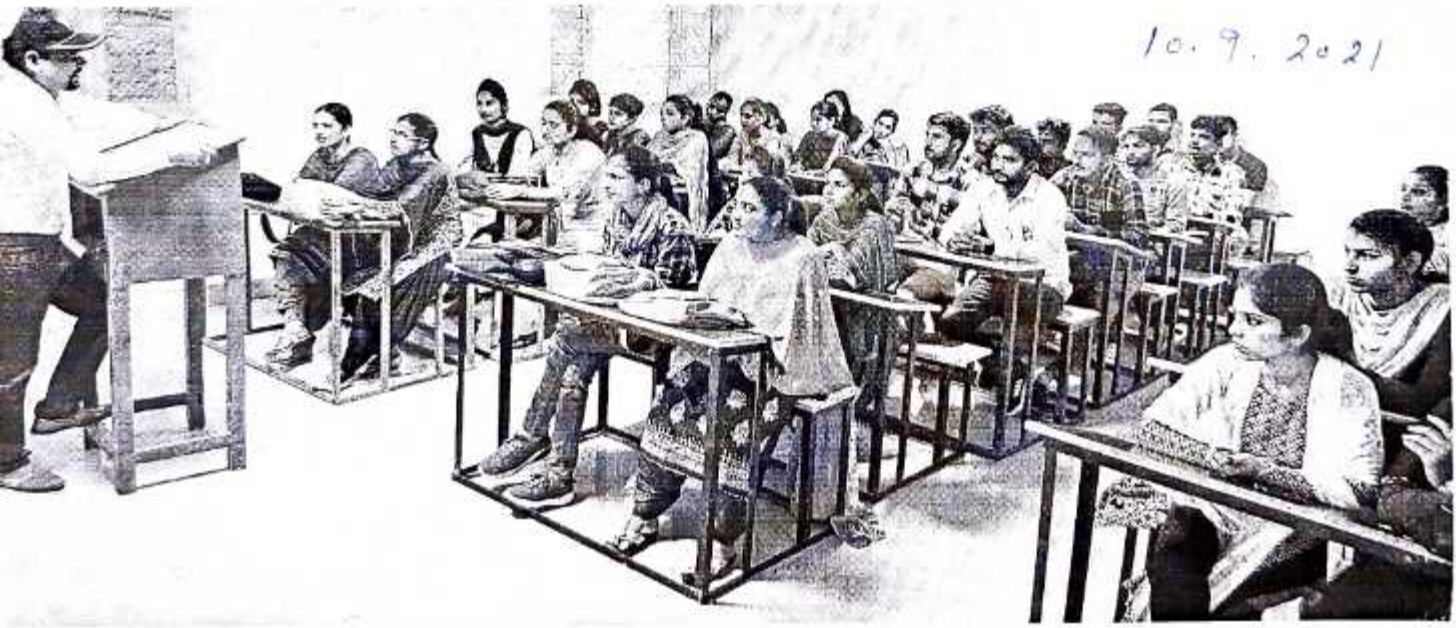

11.9.2021

22.11.2021

16.12.2021

18.1.2022

26.3.2022

20.4.2022

20.4.2022

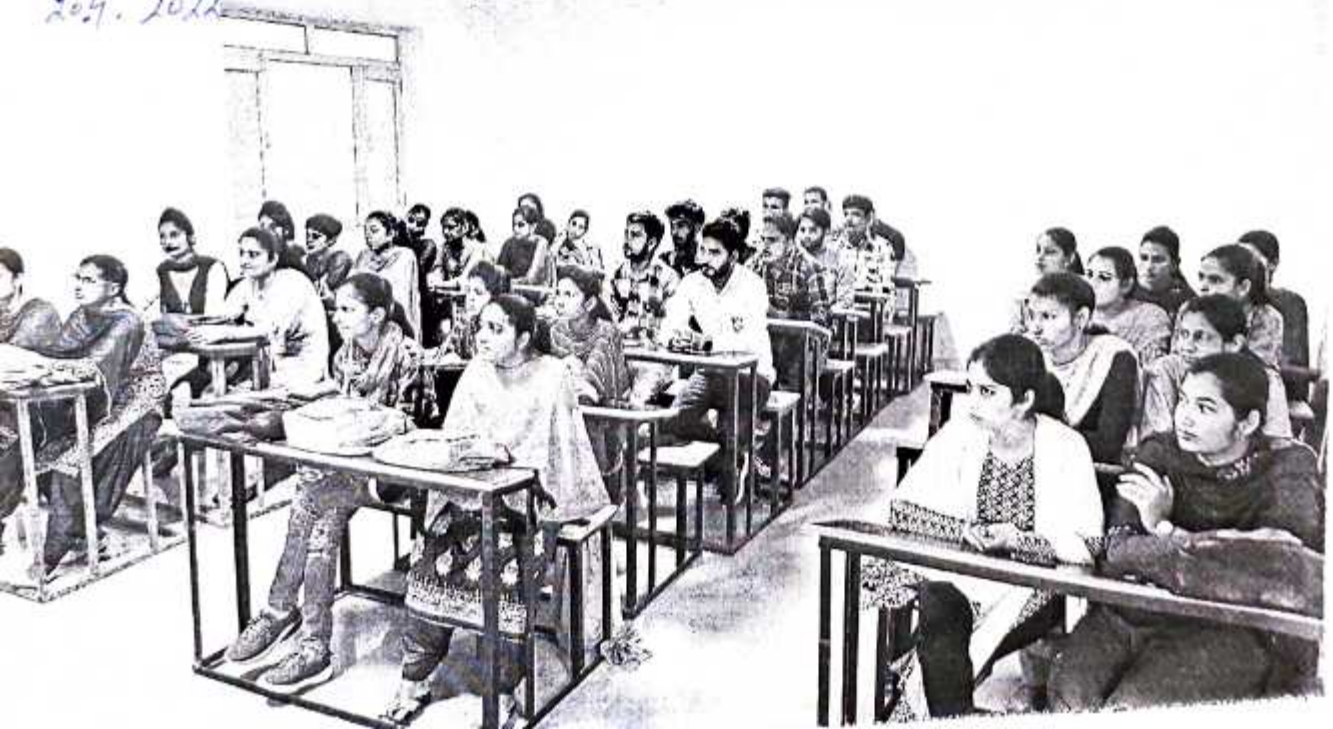

24. 5. 2022

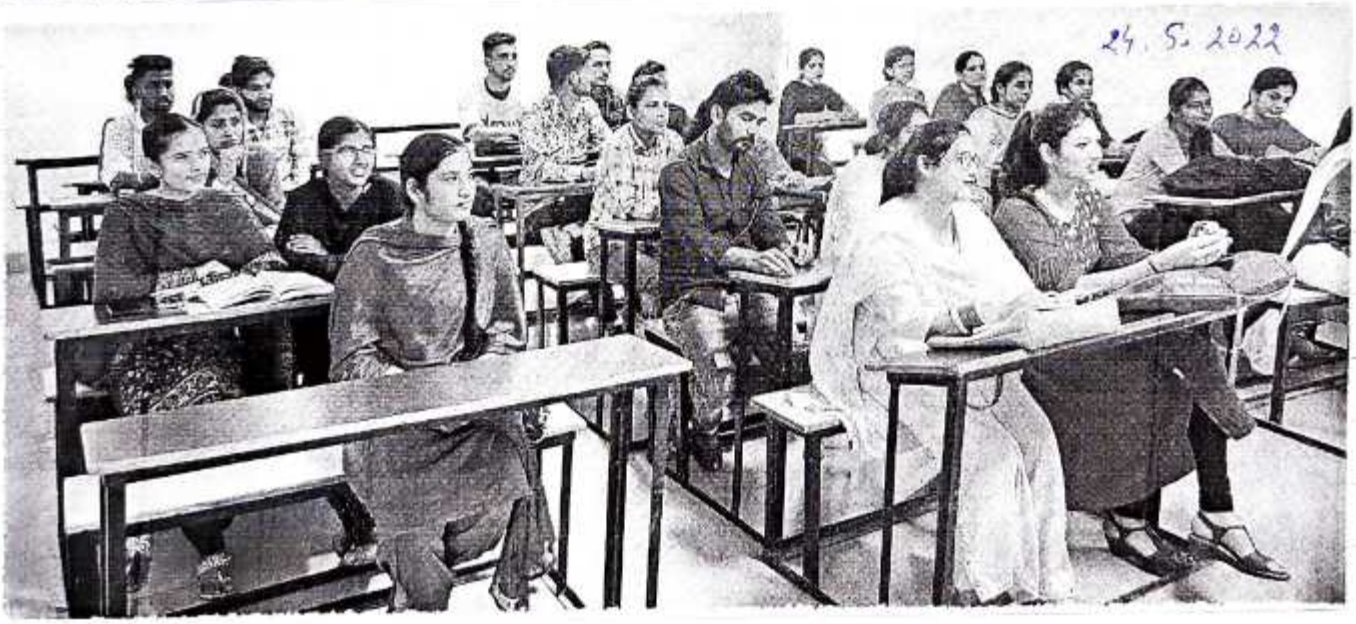
24. 5. 2022

27-5-22
यू.जी.सी. नेट की परीक्षा
मे काव्य शास्त्र से संबंधित
प्रश्नों पर विचार-विमर्श
27. 5. 2022